श्री रणवीर-केन्द्रीय-संस्कृत-विद्यापीठम्

48

काश्मीर-शैवदर्शन-विभाग :

4 (d)

प्रवेश संख्या 15 ---- विषय :-- तन्त्रम् -- क्रम सं. -30----

नाम - कुलार्णव तन्त्रम् ------ ग्रन्थकार नाम ------------

पत्र सं. -8---- अक्षर सं. (पंक्तौ) -शब्द--6- पंक्ति सं. (पृष्ठे)-14---

आकार: 3·5" X 6·5"-- लिपि: -शारदा-- आधार: --कागज़----

वि. विवरणम् --अपू------

पर्यवेक्षक :------------ दिनांक: 16-9-2000

30

No 15

कुलार्णव तन्त्र

~~48~~ .301

M.K. Marwaha

कुलार्णव:

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मन्त्राः मन्त्रेशिवः॥ तुर्ये चेश्वरे श्रीदि
भूतुपञ्चवेतुतत्त्वलः कञ्चुकम
ष्टमीवः कथं मन्त्राः शिवः शिवे॥ सर्वे
जिघ्रति विषयं हृदि ष्टेवैभवीघि
घृतिमधल्पं वस्तुनं मवदविष्टि
स्तनभा॥ ये नित्यमुत्तिमी तेषु भाव
ष्टः पापि वदुपम मनस्तुतत्त्वे योगी सिद
स्थं मध्य विवर्जितः॥ निमध्ये निहम
तुष्टः मनस्त्वीशितेऽस्मि यः सुसुष्टे
भवभीव भयोगी परतत्त्वविद्या॥ निम
कल्प विकल्पस्तु नित्तीर्णः पश्चिम
नः नित्यस्वतुपनिष्पचः भयोगी परत
तु विद्या॥ यथा पञ्चक्रमणि ज्ञानिवपक

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]